एनएफडीसी और ड्रमरोल पिक्चर्स' की नई फिल्म अंग्रेजी में कहते है – संजय मिश्रा, एकावली खन्ना और पंकज त्रिपाठी अभिनीत एक दिलचस्प प्रेम कहानी का ट्रेलर आज लॉन्च हुआ।

हरिश व्यास द्वारा निर्देशित, अंग्रेजी में कहते है का पैन इंडिया थिएट्रीकल रिलीज 18 मई 2018 को आयोजन

'हम एक्टर्स आलू है, किसी के साथ भी मिक्स हो जाते है' – अभिनेता संजय मिश्रा ने अंग्रेजी में कहते है के ट्रेलर लॉन्च के वक्त कहा।

इस ट्रेलर और गीत लॉन्च समारोह में अभिनेता संजय मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, एकावली खन्ना, शिवानी रघुवंशी, अंशुमान झा, ब्रिजेंद्र कला, निर्देशक हरिश व्यास तथा निर्माता मानव मल्होत्रा उपस्थित थे।

फिल्म अल्बम अंग्रेज़ी मी कहते हैं का शान और वैशाली माडे के स्वरों में मेरी आंखें आंखों में एक भावपूर्ण प्रेमगीत भी ज़ी म्यूजिक के तहत आज लॉन्च किया गया।

अंग्रेजी में कहते है एनएफडीसी द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है तथा शायनी एंटरटेनमेंट के सहयोग से ड्रमरोल पिक्चर्स द्वारा निर्मित है

मुम्बई, 27 अप्रैल 2018; राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और ड्रमरोल पिक्चर्स ने अपनी नई फिल्म अंग्रेजी में कहते है का ट्रेलर आज लॉन्च किया जिसके निर्देशक हरिश व्यास और कलाकार संजय मिश्रा, एकावली खन्ना, शिवानी रघुवंशी, अंशुमन झा और पंकज त्रिपाठी है।

ट्रेलर लॉन्च के बाद प्रवीण कुंवर द्वारा संगीतबध्द तथा प्रसिध्द गीतकार योगेश गौर द्वारा लिखित शान और वैशाली माडे की आवाज में भावपूर्ण प्रेमगीत मेरी आंखे आंखो में भी लॉन्च किया गया।

इस कार्यक्रम में कलाकार संजय मिश्रा, एकावली खन्ना, शिवानी रघुवंशी, अंशुमन झा, पंकज त्रिपाठी, निर्देशक हरिश व्यास तथा निर्माता मानव मल्होत्रा सहित गीतकार योगेश उपस्थित थे।

ट्रेलर और गीत लॉन्च के बाद फिल्म की टीम के साथ एक एक के साथ मीडिया इंटरैक्शन किया गया, जिसमें कलाकारों ने फिल्म के बारे में उत्साहपूर्वक चर्चा की।

संजय मिश्रा और पंकज त्रिपाठी की दोस्ती इस समारोह के दौरान दिखाई दी । इस रोमांटिक ड्रामा में मुख्य भूमिका निभा रहे संजय मिश्रा ने कहा, "हम अभिनेता आलू की तरह है, मटन के साथ, सब्जी के साथ, किसी के साथ भी मिक्स हो जाते हैं।" पंकज त्रिपाठी ने कहा "पर इस बार आलू, सोलो आ रहा है" और यह कहकर सब को चौका दिया कि " लेकिन थोडे जीरे के साथ ... और वो फ्लेवर देने वाला जीरा मैं हुँ इस फिल्म में। "

अंग्रेजी में कहते है एक अनोखी फिल्म है, जिसे वाराणसी के एक गांव में चित्रीत की है और वास्तविक जीवन के पात्रों और परिस्थितियों का दावा करती है जिससे कोई भी रिलेट हो सकता है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो प्यार में हैं या पहले कभी थे. एनएफडीसी द्वारा प्रस्तुत तथा शायनी एंटरटेनमेंट के बंटी खान के सहयोग से ड्रमरोल के मानव मल्होत्रा द्वारा फिल्म का निर्माण. यह फिल्म 18 मई 2018 को पैन इंडिया थिएट्रीकल रिलीज की आयोजना है।

इस कार्यक्रम मे उपस्थित अभिनेता संजय मिश्रा ने कहा, "अंग्रेजी में कहते है एक ऐसी फिल्म है जो आम आदमी की हकिकत है और जिसके लिए प्रेम और रिश्ते का मतलब क्या होता है। रोजमर्रा के इस भागदौड में प्यार कही खो गया है और रिश्ते को महत्व नही दिया जाता है। कभी कभी किसी को यशवंत जैसे मौका नही मिलता लेकिन अगर किसी को मिले तो आपको उसे सब कुछ देना चाहिए, आश्चर्य की बात है कि मुझे इस फिल्म की शूटिंग के बाद यह एहसास हुआ और मैंने अपनी पत्नी को बताया- आई लव यू "

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने कहा, "मैं फिरोज का एक प्यारा किरदार निभा रहा हूँ। यह मेरे लिए एक अच्छा बदलाव रहा है, एक गैंगस्टर और एक व्हीलन कि भूमिका से एक छलांग ली है। यह पहली बार हुआ है कि मैं एक रोमांटिक किरदार कर रहा हूं। फिरोज एक भावूक और प्यारा किरदार है जिसने मुझे छुआ है और मुझे यकीन है कि दर्शकों को भी पसंद आयेगी। भूमिका के बारे में विशेषता यह है कि मैं संजय मिश्रा के साथ फिल्म में हूं जो मुख्य किरदार में रोमांटिक भूमिका निभा रहे है। "

अभिनेता, अंशुमन झा - 'प्यार सर्वत्र है। अंग्रेजी में कहते है फिल्म सभी मात्रा में सुसंगत और मनोरंजक है क्योंकि आज की युवा पीढ़ी बडे पीढ़ी के साथ निश्चित रूप से एक बात शेयर कर सकती है जो है आसानी से भाव प्रकट करना । यह प्रेम कहानी सभी उम्र के लोगों के लिए है।
आपको सिर्फ यह कहना चाहिए।"

अभिनेत्री, शिवानी रघुवंशी - "युवा पीढ़ी आसानी से खुद को व्यक्त कर सकती है। हालांकि, मेरे माता-पिता के लिए ऐसा नहीं था, यही कारण है कि मुझे लगता है कि यह फिल्म हमारे जैसे लोगों के बेहद करीब है ताकि हम उनकी तरह ना बने । "

अंग्रेजी मी कहते हैं के निर्देशक हरीश व्यास ने कहा, " अंग्रेजी में कहते है हमेशा मेरे लिए एक विशेष फिल्म होगी इसलिए नही कि यह मेरी हिंदी में पहली फिल्म है, लेकिन इसलिए क्योंकि यह एक ऐसा विषय है जिसके साथ मैं बड़ा हुआ हूं। जब मैं अपने माता-पिता को रूखे और बिना-संवादात्मक संबंधों में देखता था तो मैं सुखी शादीशुदा जीवन की कल्पना नही कर सकता था। लेकिन इस फिल्म के साथ मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि विवाह के कई वर्षों के पश्चात भी खुशी संभव है और उसे आसानी से प्राप्त की जा सकती है।"

एनएफडीसी के बारे में

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, भारत देश में अच्छे सिनेमा की गति को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित केंद्रीय एजेंसी है. एनएफडीसी का प्रमुख लक्ष्य योजना को बढ़ावा देने और सिनेमा में एक भारतीय फिल्म उद्योग के एकीकृत और कुशल विकास और प्रोत्साहन उत्कृष्टता का आयोजन है। पिछले वर्षों में एनएफडीसी ने आवश्यक भारतीय सिनेमा के विकास के लिए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की है। एनएफडीसी (और उसके पूर्ववर्ती फिल्म वित्त निगम) ने अब तक 300 से अधिक फिल्मों का निर्माण तथा वित्त पोषण किया है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में बनी इन फिल्मों को व्यापक रूप से प्रशंसित किया गया है तथा इन फिल्मों ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते है।

एनएफडीसी गांधी, सलाम बॉम्बे जैसी अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों के सह निर्माण में अग्रेसर है तथा यह श्रृंखला किस्सा, द लंचबॉक्स, अरूणोदय और चौथी कूट जैसी अद्यतन सह निर्मित फिल्मों के साथ जारी रही।

फिल्म विकास एजेंसी के रूप में फिल्म उद्योग में अपनी अलग पहचान के अलावा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड सरकारी ग्राहकों को 360 डिग्री सेवा के साथ विज्ञापन अभियान निर्माण करके व्यावसायिक इकाई के रूप में भी कार्य करती है। अब तक, एनएफडीसी ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, पर्यावरण और वन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय जैसे कई के लिए महत्वपूर्ण संचार की रणनीति विकसित की है।

निर्देशक के बारे में

हरिश व्यास फाइन आर्ट्स के स्नातक और व्यवसाय से कलाकार है। उन्होंने कई फिल्में, लघु फिल्में, वृत्तचित्र तथा कॉर्पोरेट फिल्में निर्देशित की है। उनकी पंजाबी भाषा की फिल्म प्रॉपर पटोला ने सर्वोत्कृष्ट नवोदित निर्देशक तथा सर्वोत्कृष्ट पटकथा सहित छ नामांकन जीते है।

ड्रमरोल पिक्चर्स के बारे में

ड्रमरोल पिक्चर्स की स्थापना लेखक, निर्देशक तथा निर्माता मानव मल्होत्रा द्वारा 2015 में हुई थी। उन्होंने न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है तथा विभिन्न फिल्म परियोजनाओं में निरंतर योगदान दिया है। फिलहाल न्यू जर्सी, यू एस ए से रोड- रिअलिटी ऑफ अ ड्रीम (2011), टूमोरो एव्हर आफ्टर (2016), वायरलेस (2009), कम बॅक हेली (2014) तथा समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 25 पुरस्कार विजेती लघुफिल्म द विज़िट (2015) जैसी परियोजनाओं के लिए जाने जाते है। उन्होंने अन्य कई लघु फिल्में भी निर्देशित की है तथा उनकी कुछ फिल्मों को समीक्षकों की प्रशंसा तथा पुरस्कार मिले तथा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित हुई है।

वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रसिध्द सिनेमाटोग्राफर फारूख मिस्त्री और निर्देशक हरीश व्यास की टीम बनाई है। ड्रमरोल को **मालेक्ट्रॉन सॉल्यूशंस** नामक सॉफ़्टवेयर व्यवसाय इकाई द्वारा वित्त पोषित भी किया जाता है, जोकि 11 साल से अधिक न्यू जर्सी, यूएसए स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी व्यवसाय में है।